शिक्षा निदेशालय, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली
वार्षिक पाठ्यक्रम
कक्षा - XI
विषय- अर्थशास्त्र (030)
(2026 – 2027)

पाठ्यक्रम सामग्री

भाग **क-** समष्टि अर्थशास्त्र **एक परिचय**

इकाई **1:** राष्ट्रीय आय **और सम्बंधित समुच्चय**

समष्टि अर्थशास्त्र क्या है?

समष्टि अर्थशास्त्र में मूलभूत संकल्पनाएँ: उपभोग वस्तुएँ, पूंजीगत वस्तुएँ, अंतिम वस्तुएँ, मध्यवर्ती वस्तुएँ; स्टॉक और प्रवाह; सकल निवेश और मूल्यह्रास

आय का वर्तुल प्रवाह (द्वि क्षेत्रक मॉडल);

राष्ट्रीय आय की गणना की विधियाँ - मूल्य वर्धित या उत्पाद विधि, व्यय विधि, आय विधि। राष्ट्रीय आय से संबंधित समुच्चय: सकल राष्ट्रीय उत्पाद (GNP), निवल राष्ट्रीय उत्पाद (NNP), सकल घरेलू उत्पाद (GDP) और शुद्ध घरेलू उत्पाद (NDP) - बाजार मूल्य पर, कारक लागत पर; वास्तविक और मौद्रिक GDP, GDP अवस्फीतिक, GDP और कल्याण।

इकाई **2:** मुद्रा और बैंकिंग
मुद्रा - अर्थ और कार्य, मुद्रा की पूर्ति - जनता द्वारा रखी गई करेंसी और वाणिज्यिक बैंकों द्वारा रखी गई शुद्ध मांग जमा।

वाणिज्यिक बैंकिंग प्रणाली द्वारा साख सृजन।

केंद्रीय बैंक और उसके कार्य (भारतीय रिज़र्व बैंक का उदाहरण): निर्गम बैंक, सरकार का बैंक, बैंको का बैंक।
बैंक दर, नकद आरक्षित अनुपात , वैधानिक तरलता अनुपात, रेपो दर और विपरीत रेपो दर, खुले बाजार की क्रियाएं, सीमान्त आवश्यकता के माध्यम से साख का नियंत्रण।

इकाई **4: सरकारी बजट और अर्थव्यवस्था**-

सरकारी बजट: अर्थ, उद्देश्य और इसके घटक।
प्राप्तियों का वर्गीकरण - राजस्व प्राप्तियाँ और पूंजीगत प्राप्तियाँ;
व्यय का वर्गीकरण - राजस्व व्यय और पूंजीगत व्यय।
संतुलित, अधिशेष और घाटे का बजट - सरकारी घाटे के माप

भाग **ख:** भारतीय **अर्थव्यवस्था का** विकास

इकाई **6:** विकास अनुभव **(1947-90)** और **1991** से आर्थिक सुधार**:**

स्वतंत्रता की पूर्व संध्या पर भारतीय अर्थव्यवस्था की स्थिति का संक्षिप्त परिचय। भारतीय आर्थिक व्यवस्था और पंचवर्षीय योजनाओं के सामान्य उद्देश्य।
कृषि (संस्थागत पहलू और नई कृषि रणनीति), उद्योग (आईपीआर 1956; लघु उद्योग - भूमिका और महत्व) और विदेशी व्यापार की मुख्य विशेषताएं, समस्याएं और नीतियां।
1991 से आर्थिक सुधार**:** उदारीकरण, वैश्वीकरण और निजीकरण (एलपीजी नीति) की विशेषताएं और मूल्यांकन; विमुद्रीकरण और जीएसटी की अवधारणाएँ

यूनिट **7:** भारतीय अर्थव्यवस्था के सामने वर्तमान चुनौतियाँ
मानव पूंजी निर्माण**:** लोग संसाधन कैसे बनते हैं; आर्थिक विकास में मानव पूंजी की भूमिका; भारत में शिक्षा क्षेत्रक का विकास।
ग्रामीण विकास**:** प्रमुख मुद्दे - साख और विपणन - सहकारी समितियों की भूमिका; कृषि विविधीकरण; वैकल्पिक कृषि - जैविक कृषि
रोज़गार**:** औपचारिक और अनौपचारिक क्षेत्रों में कार्यबल भागीदारी दर में वृद्धि और परिवर्तन; समस्याएँ और नीतियाँ

मध्यावधि परीक्षा का **पाठ्यक्रम 15** सितंबर**, 2026** तक पूरा करना होगा **.**

मध्यावधि परीक्षा की तैयारी

मध्यावधि परीक्षा

मध्यावधि प्रश्न पत्र की चर्चा

भाग **क-** समष्टि अर्थशास्त्र **एक परिचय**

यूनिट **3:** आय और रोजगार का निर्धारण

समग्र मांग और उसके घटक,
उपभोग प्रवृत्ति और बचत प्रवृत्ति (औसत और सीमांत)।
अल्पकालिक उत्पादन संतुलन , निवेश गुणक और उसकी कार्यप्रणाली
पूर्ण रोज़गार एवं अनैच्छिक बेरोज़गारी का अर्थ,

अधिमांग और न्यून मांग की समस्या; उन्हें ठीक करने के उपाय - सरकारी व्यय, कर और मुद्रा पूर्ति में परिवर्तन द्वारा।

इकाई **5:** भुगतान संतुलन

भुगतान संतुलन खाता - अर्थ और घटक; भुगतान संतुलन - अधिशेष और घाटा, विदेशी विनिमय दर - स्थिर और लचीली दरों का अर्थ और प्रबंधित तिरती
स्वतंत्र बाज़ार में विनिमय दर का निर्धारण,
लचीली एवं स्थिर विनिमय दर के गुण एवं दोष।
प्रबंधित तिरती विनिमय दर प्रणाली

भाग **ख:** भारतीय आर्थिक विकास

यूनिट **7:** भारतीय अर्थव्यवस्था के सामने वर्तमान चुनौतियाँ

धारणीय आर्थिक विकास**:** अर्थ, संसाधनों और पर्यावरण पर आर्थिक विकास का प्रभाव (वैश्विक उष्णता सहित)।

यूनिट **8:** भारत का विकास अनुभव **- भारत की** पड़ोसियों **के साथ तुलना**
भारत और पाकिस्तान
भारत और चीन
आर्थिक विकास, जनसंख्या, क्षेत्रीय विकास के मुद्दे और अन्य मानव विकास संकेतक

भाग **ग:** अर्थशास्त्र में परियोजना

परियोजनाओं की सुझावात्मक सूची**:**

- सूक्ष्म एवं लघु उद्योग
- भारत में खाद्य आपूर्ति चैनल
- भारत में समकालीन रोजगार की स्थिति
- सरकार की विनिवेश नीति
- वस्तु एवं सेवा कर अधिनियम और सकल घरेलू उत्पाद पर इसका प्रभाव
- स्वास्थ्य व्यय (किसी भी राज्य का)

- मानव विकास सूचकांक
- समावेशी विकास रणनीति
- स्वयं सहायता समूह
- भारत में ऋण उपलब्धता के रुझान
- मौद्रिक नीति समिति और उसके कार्य
- ऋण नियंत्रण में आरबीआई की भूमिका
- सरकारी बजट और इसके घटक
- भारत की बजटीय स्थिति में रुझान
- विनिमय दर निर्धारण - तरीके और तकनीकें
- मुद्रा युद्ध - कारण और परिणाम
- पशुधन - ग्रामीण भारत की रीढ़
- वैकल्पिक ईंधन - प्रकार और महत्व
- सर्व शिक्षा अभियान - लागत अनुपात लाभ
- स्वर्णिम चतुर्भुज-लागत अनुपात लाभ
- न्यूनतम समर्थन मूल्य
- स्टॉक मूल्य सूचकांक और राष्ट्र का आर्थिक स्वास्थ्य के बीच संबंध
- भारत में अपशिष्ट प्रबंधन - समय की मांग।
- न्यूनतम वेतन दर - दृष्टिकोण और अनुप्रयोग।
- डिजिटल इंडिया- भविष्य के संकटों की ओर कदम
- वर्षा जल संचयन - जल का एक समाधान।
- ऊर्ध्वाधर खेती - एक वैकल्पिक तरीका
- रेशम मार्ग - अतीत का पुनरुद्धार।
- 'मेक इन इंडिया' – भावी संभावनाएं
- बम्पर उत्पादन – किसान के लिए वरदान या अभिशाप
- कंक्रीट के जंगल का उदय- प्रवृत्ति
- जैविक खेती - प्रकृति की ओर वापसी
- आत्मनिर्भर भारत
- ई-रुपया (ई-₹)
- श्रीलंका का आर्थिक संकट
- धारणीय विकास उद्देश्य (एसडीजी)
- पर्यावरण संकट
- अर्थव्यवस्थाओं का तुलनात्मक अध्ययन (अधिकतम तीन अर्थव्यवस्थाएँ)
- नई शिक्षा नीति (एनईपी) 2020: नई शिक्षा प्रणाली के लिए एक वादा
- जी-20: समावेशी और कार्रवाई उन्मुख
- अमृत काल: सशक्त और समावेशी अर्थव्यवस्था
- कैशलेस अर्थव्यवस्था

- कोई अन्य समाचार पत्र लेख और आर्थिक सिद्धांतों के आधार पर उसका मूल्यांकन
- अन्य कोई प्रासंगिक विषय

विश्लेषण निर्धारित पुस्तकें:

1. भारतीय आर्थिक विकास, NCERT
2. व्यष्टि अर्थशास्त्र एक परिचय, NCERT
3. अर्थशास्त्र में अनुपूरक पाठन सामग्री।

15 दिसंबर**, 2026** तक **पाठ्यक्रम पूर्ण** करना होगा
प्री बोर्ड परीक्षा 202**6** - 2**7** की तैयारी
प्री- बोर्ड परीक्षा 202**6** - 2**7**
प्री-बोर्ड प्रश्न पत्र की चर्चा

वार्षिक परीक्षा-**2026-27**

अधिक जानकारी के लिए कृपया सीबीएसई दिशानिर्देश देखें

https://cbseacademic.nic.in

अर्थशास्त्र (विषय कोड 030)
कक्षा - XII
सत्र (Session): 2026-27

लिखित: 80 **3 घंटे**
परियोजना: 20

इकाई		**अंक**
भाग क	**समष्टि अर्थशास्त्र एक परिचय**	
	राष्ट्रीय आय और संम्बंधित समुच्चय	10
	मुद्रा और बैंकिंग	06
	आय और रोजगार का निर्धारण	12
	सरकारी बजट और अर्थव्यवस्था	06
	भुगतान संतुलन	06
		40
भाग ख	**भारतीय आर्थिक विकास**	
	विकास अनुभव (1947-90) और 1991 से आर्थिक सुधार	12
	भारतीय अर्थव्यवस्था के सामने वर्तमान चुनौतियाँ	20
	भारत का विकास अनुभव - भारत की पड़ोसियों के साथ तुलना	08
		40
	लिखित परीक्षा (40 + 40 = 80 अंक)	
भाग ग	परियोजना कार्य	**20**